मध्यप्रदेश बस आनर्स एसोसिएशन

संतोष पाण्डेय
कार्यकारी अध्यक्ष
मो.नं.: 94254-51379

वीरेन्द्र साहु
उपाध्यक्ष
मो.नं.: 94253-89181

जय कुमार जैन
महामंत्री
मो.नं.: 89594-45511

पता: जय कुमार जैन C/o स्टूडेन्ट ट्रैवल्स, मेन बस स्टेण्ड सागर, जिला सागर (म.प्र.) 470002

क्रमांक/01/सितम्बर/2024 दिनांक 11.09.2025

प्रति,

1. माननीय नरेंद्र मोदी जी,
   प्रधान मंत्री,
   प्रधान मंत्री कार्यालय,
   साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली – 110011

2. नितिन गडकरी जी,
   सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH),
   ट्रांसपोर्ट भवन, 1, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली – 110001

3. श्री मोहन यादव जी,
   मुख्य मंत्री जी,
   मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल।

विषय :- परिवहन मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह जी के द्वारा पत्रकार वार्ता में जिले के बस मालिको को परिवहन माफिया बताये जाने पर आपत्ति बाबत।

सदंर्भ:- उज्जैन प्रवास के दौरान न्यूज चेनल को दिए गए इंटरव्यू से प्राप्त।

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि 09 सितम्बर 2025 को उज्जैन प्रवास के दौरान पत्रकार वार्ता में परिवहन मंत्री के समक्ष हुई वार्ता में यह कथन किया गया है :-

"जिले में परिवहन माफिया का जाल बिछा है उसे खत्म करना है"

इस तरह का कथन बहुत ही अशोभनीय व निराशाजनक है, जो बस मालिक बहुत ही विषम स्थिति में अपनी बसों का संचालन किसी तरह करते हुए अपना व्यवसाय करते हुए जीवन यापन कर रहे है, उनके लिए यह अपशब्द बहुत ही अनुचित है।

जबकि यह सर्वविदित है कि जब से इनके द्वारा यह पद ग्रहण किया है उसके बाद बेरियर बंद होने के पश्चात भी परिवहन चोकियां तथा फ़्लाइंग स्काड के द्वारा रिश्वत का घिनोना खेल खेला जा रहा है, जो समाचार पत्रों में कई बार छप चूका है।

इसके अतिरिक्त परिवहन कार्यालयों में ली जाने वाली रिश्वात भी अपनी चरम सीमा पार कर चुकी है, जिसके प्रमाण स्वरूप कई वीडियो तथा खबरे वायरल है।

इसके अतिरिक्त कई लोकायुक्त तथा ई.ओ.डब्ल्यू में भी रिश्वत के प्रकरण पंजीकृत हो चुके है।

इस तरफ मंत्री जी का ध्यान नहीं जाकर उन व्यवसायियों को माफिया समझा जा रहा है जिन ने इस प्रदेश की लाखों – करोड़ो जनता के आवागमन को सुविधानुसार बना रखा है, तथा शासन को करोड़ों रुपये का राजस्व भी प्रदान करते है।

मंत्री जी तथा पत्रकार बन्धु को यह जानकारी ही नहीं है, कि माफिया जैसे घिनौने शब्द का उपयोग किस के लिए किया जाता है।

इस तरह इस पत्रकार वार्ता में प्रदेश के सभी बस मालिकों का माफिया शब्द से सम्बोधन किया जाकर अपमान किया गया है, तथा उनको मानसिक आघात पहुंचाया गया है, जो घोर निंदनीय है।

श्रीमान से न्याय व उचित कार्यवाही की अपेक्षा है।

धन्यवाद

भवदीय

जय कुमार जैन
महामंत्री